15. मुहावरे

मुहावरे वे शब्दांश होते हैं जो अपने शब्दों से अलग एक विशेष अर्थ की ओर संकेत करते हैं। मुहावरों से भाषा में रोचकता तथा सुंदरता आ जाती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका पृष्ठ 62 पर मुहावरे को पारिभाषित करती दो पंक्तियाँ पढ़ें और कुछ मुहावरों का प्रयोग करते हुए बच्चों से बातचीत करें। उदाहरण के लिए जैसे आप बच्चों से कहें कि आज का पाठ पढ़ने के लिए बच्चे अपनी 'कमर कस लें' अथवा सब बच्चे एक-दूसरे का 'हाथ बटाएँ' आदि।
- ❖ शिक्षिका बच्चों को बताएँ कि कमर कसना तथा हाथ बँटाना मुहावरे हैं। इनका अर्थ है तैयार होना तथा मदद करना।
- ❖ बच्चों से ऐसे मुहावरे बताने को कहें जो वे रोज़मर्रा की गतिविधि में अपने घर या आसपास के लोगों द्वारा सुनते हों या फिर वे स्वयं भी प्रयोग करते हों, जैसे– भूख लगने पर कहते हों – पेट में चूहे कूद रहे हैं आदि।
- ❖ पृष्ठ पर दिए गए चित्र को दिखाते हुए उनके वाक्य बच्चों से पढ़वाएँ और फिर उनसे वाक्यों में आए मुहावरों के अर्थ जानें। तदुपरांत उनके अर्थ बताएँ।
- ❖ सभी बच्चों पर ध्यान दें।
- ❖ मुहावरा की परिभाषा याद करवाएँ। समझाएँ, मुहावरे विशेष अर्थ के लिए प्रयोग किए जाते हैं तथा इनसे भाषा में सुंदरता आ जाती है।
- ❖ पाठ पृष्ठ 63-64 पर दिए मुहावरे तथा उनके अर्थ बच्चों से पढ़वाएँ। एक-एक कर सभी बच्चों को पढ़ने का अवसर दें।
- ❖ अभ्यास करने में यथासंभव मदद करें।